

प्रेषक,

विनीता कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
जनजाति कल्याण, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

समाज कल्याण अनुभाग-01.

देहरादून, ०८ सितम्बर 2007.

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित "अनुदान संख्या-31" के "आयोजनेत्तर पक्ष" में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-791/XVII(1)-01/2007-10(02)/2007, दिनांक 21 अगस्त 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित "अनुदान संख्या-31" के "आयोजनेत्तर पक्ष" में संलग्नक-01 के अनुसार रुपये 5,62,000/- (रुपये पांच लाख बासठ हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाली सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमासिक आधार पर अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे राज्य स्तर पर कैशप्लो निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न ना हो।
2. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल उक्तानुसार स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व शासन की स्वीकृति प्राप्त की जाए।
3. उक्त आवंटित धनराशि व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों, बजट मैनुअल तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
4. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। धनराशि का व्यय उन्हीं मदों में किया जाए, जिनके लिए यह स्वीकृति की जा रही है।
5. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर एग्चेज रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपाल सुनिश्चित किया जाए।

6. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
7. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका ^{हस्त-5.1011-1} एवं बजट मैनुवल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
9. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।
10. बी.एम.-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
11. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक की "अनुदान संख्या-31" के अन्तर्गत संलग्नक-01 में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।
12. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-245(NP)/XXVII(3)/2007, दिनांक 26 सितम्बर 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,
/
(विनीता कुमार)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 993 (1)/XVII(1)-01/2007-10(02)/2007, तददिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. समस्त मण्डलायुक्त, उत्तराखण्ड।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(अजय सिंह नबियाल)
अपर सचिव।

1. अनुदान संख्या-31

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक	: 2225-02-277-03-00
मुख्य शीर्षक	: 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
उप मुख्य शीर्षक	: 02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण
लघु शीर्षक	: 277-शिक्षा
उप शीर्षक	: 03-अनुसूचित जनजातियों के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास तथा रखरखाव
ब्यौरेवार शीर्षक	: 00-

(धनराशि हजार रुपये में)	
मानक मद	धनराशि
25-लघु निर्माण कार्य	400
योग	400

(रुपये चार लाख मात्र)

2. अनुदान संख्या-31

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक	: 2225-02-277-04-00
मुख्य शीर्षक	: 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
उप मुख्य शीर्षक	: 02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण
लघु शीर्षक	: 277-शिक्षा
उप शीर्षक	: 04-अनुसूचित जनजातियों के लिए राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का रखरखाव
ब्यौरेवार शीर्षक	: 00-

(धनराशि हजार रुपये में)	
मानक मद	धनराशि
25-लघु निर्माण कार्य	12
योग	12

(रुपये बारह हजार मात्र)

लेखाशीर्षक	: 2225-02-277-06-00
मुख्य शीर्षक	: 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
उप मुख्य शीर्षक	: 02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण
लघु शीर्षक	: 277-शिक्षा
उप शीर्षक	: 06-राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना
व्यौत्तर शीर्षक	: 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	धनराशि
25-लघु निर्माण कार्य	150
योग	150

(रुपये एक लाख पचास हजार मात्र)

(धनराशि हजार रुपये में)	
महायोग	562
(रुपये पांच लाख बासठ हजार मात्र)	

(अजय सिंह नबियाल)
अपर सचिव।